



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 23, 1989/आश्विन 1, 1911

No. 38]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 23, 1989/ASVINA 1, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम,
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
Character issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other
than the Administrations of Union Territories)

संसदीय कार्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 8 मिनंबर, 1989

सा. का. नि. 702.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए संसदीय कार्य विभाग
(भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1963 का और संशोधन करने के लिए
निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम संसदीय कार्य विभाग (भर्ती और
सेवा की शर्तें) संशोधन नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संसदीय कार्य विभाग (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 1963 के
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) नियम 4 में,—

(क) उपनियम (5) के खंड (3) (ग) के स्थान पर निम्नलिखित
रखा जाएगा, अर्थात्:—

(ग) (ग) श्रेणी "ग" में आशुलिपिकों के पदों पर नियुक्ति, मंत्रालय,
के श्रेणी "घ" में के ऐसे आशुलिपिकों में से, जिन्होंने उस श्रेणी
में कम से कम पांच वर्ष अनुसूचित सेवा की है, योग्य न पाए
जाने की दशा में अस्थायी अग्रणी, ज्येष्ठता के आधार पर

प्रोन्नति द्वारा और इस प्रयोजन के लिए आयोग द्वारा आयोजित
की गई प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर 1.1 के अनुपात में
की जाएगी" (ख) उपनियम (7) के स्थान पर निम्नलिखित
रखा जाएगा, अर्थात्:—

"(7) उच्च श्रेणी लिपिकों की श्रेणी में 75 प्रतिशत रिक्तियां ऐसे
अवर श्रेणी लिपिकों की, जिन्होंने उस श्रेणी में कम से कम
आठ वर्ष नियमित सेवा की हैं, ज्येष्ठता-सह-उपयुक्तता के आधार
पर प्रोन्नति द्वारा भरी जाएगी, और शेष 25 प्रतिशत रिक्तियां
मंत्रालय के ऐसे अवर श्रेणी लिपिकों में से, जिन्होंने उस श्रेणी
में पांच वर्ष की नियमित सेवा की है, कर्मचारी चयन आयोग
द्वारा आयोजित की गई सीमित विभागीय परीक्षा के माध्यम
से भरी जाएगी।

[फ. सं. 3(14) 88-प्रशासन]

रणधीर सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

New Delhi, the 8th September, 1989

G.S.R. 702.—In exercise of the powers conferred by the
proviso to article 309 of the Constitution the President hereby

makes the following rules further to amend the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Amendment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Parliamentary Affairs (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 1963 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 4 :—

(a) for clause (3) (c) to sub-rule (5), the following shall be substituted, namely :—

“(c) Appointment to the posts of Stenographers in Grade ‘C’ shall be made by promotion from amongst the Grade ‘D’ Stenographers of the Ministry who have rendered not less than five years

approved service in that grade on the basis of seniority subject to the rejection of unfit and on the basis of competitive examination held for the purpose by the Commission in the ratio of 1 : 1”.

(b) for sub-rule (7), the following shall be substituted namely:—

“(7) 75 per cent of the vacancies in the Grade of Upper Division Clerks shall be filled by promotion of lower Division Clerks with atleast eight years regular service in the grade on the basis of seniority-cum-fitness and the remaining 25 per cent shall be filled from amongst Lower Division Clerks of the Ministry with 5 years regular service in the grade through Limited Departmental Examination conducted by Staff Selection Commission”.

[No. F. 3(14)/88-Admn.]

RANBIR SINGH, Under Secy.

गृह मंत्रालय

आन्तरिक सुरक्षा विभाग

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 22 अगस्त, 1989

सा. का. नि. 703 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पुनर्वास विभाग में (समूह “क” के पदों पर) भर्ती नियम, 1976 को, जहाँ तक कि वे बंदोबस्त आयुक्त से संबंधित हैं, अधिकृत करते हुए, उन बातों के सिवाय, जिन्हें ऐसे अधिकरण से पूर्व किया गया है या करने का सोच किया गया है, गृह मंत्रालय, आन्तरिक सुरक्षा विभाग, पुनर्वास प्रभाग (बंदोबस्त खंड) में बंदोबस्त आयुक्त (समूह “क” के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

(1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : इन नियमों का संक्षिप्त नाम गृह मंत्रालय, आन्तरिक सुरक्षा विभाग, पुनर्वास प्रभाग, बंदोबस्त आयुक्त (समूह “क”) भर्ती नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त-पद-संख्या उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं : वह व्यक्ति,

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, मूलपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आय सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुशेष है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7

बंदोबस्त आयुक्त	* 1 (1989) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राज-पक्षित	3000-100-3500-125-5000 रुपए	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
-----------------	---	---	-----------------------------	-----	----------------	----------------

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अभ्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परीक्षा की अवधि, यदि कोई हो।
विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की वंश में लागू होती या नहीं

8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	कोई नहीं

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिफलता।

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वंश में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा

11	12
----	----

प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सके पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा।

प्रोन्नति :—

ऐसा सहायक बंदोबस्त आयुक्त जितने उस श्रेणी में दो वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण :—

केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी :—

(क) (i) जो नियमित आधार पर सवर्ण पद धारण किए हुए हैं या

(ii) जिन्होंने 3000—4500 रुपए या समतुल्य वेतनमान में दो वर्ष नियमित सेवा की है, या

(iii) जिन्होंने 2200—4000 रुपए या समतुल्य वेतनमान सात वर्ष नियमित सेवा की है, और

12

(ख) जिनके पास भूमि और अन्य स्थावर सम्पत्तियों के बारे में दावा का निपटारा करने का अनुभव हो।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले स्थापित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि भी है साधारणतया चार वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति के लिए) :

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक नहीं है

1. अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष
2. संयुक्त सचिव (पुनर्वास) गृह मंत्रालय—सदस्य
3. संयुक्त सचिव, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग—सदस्य
4. निदेशक (पुनर्वास), गृह मंत्रालय—सदस्य

[सं. ए.—32013/3/86-प्रशासन -1]

संगत सिंह, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

Department of Internal Security

(Rehabilitation Division)

New Delhi, the 22nd August, 1989

G.S.R. 703. —In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Department of Rehabilitation (Group 'A' post) Recruitment Rules, 1976, in so far as they relate to the post of Settlement Commissioner except as respects things done or committed to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Settlement Commissioner (Group 'A') in the Ministry of Home Affairs, Department of Internal Security, Rehabilitation Division (Settlement Wing) namely :

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called Ministry of Home Affairs, Department of Internal Security, Rehabilitation Division, Settlement Commissioner (Group 'A') Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of posts, Classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in Columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, Age limit, Qualification etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-Servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification
1	2	3
Settlement Commissioner	1 (1989)*	General Central Service, Group 'A', Gazetted.
*subject to variation dependent on workload.		
Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits
4	5	6
Rs. 3000-100-3500-125-5000.	Selection.	Not applicable.
Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits.	
7	8	
Not applicable.	Not applicable.	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.
9	10	11
Not applicable	Nil	By promotion failing which by transfer on deputation.
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	
12	13	
PROMOTION :	Group 'A' D.P.C. (for promotion)	
Assistant Settlement Commissioner with 2 years' regular	1. Chairman/Member	—Chairman.

12

13

service in the grade.

TRANSFER ON DEPUTATION**Officers of the Central Government :**

- (a) (i) holding analogous posts on regular basis; or
 (ii) with 2 year's regular service in posts in the scale of pay of Rs.3000—4500/-or equivalent; or
 (iii) with 7 year's regular service in posts in the scale of Rs. 2200—4000/-or equivalent; and
 (b) possessing experience in the Settlement of claims regarding lands and other immovable properties.

(The period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/depart-ment of the Central Government shall not exceed 4 years).

Union Public Service Commission.

2. Joint Secretary —Member.
 (Rehabilitation)
 Ministry of Home Affairs.
 3. Joint Secretary —Member.
 Departmental of Personnel
 Training.
 4. Director —Member.
 (Rehabilitation)
 Ministry of Home Affairs.

Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

14

Consultation with the Union Public Service Commission not necessary.

[No.A.32013/3/86---Adm.I]

MANGAT SINGH, Under Secy.

कार्मिक, लोक शिक्षा तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 7 सितंबर, 1989

सा. का. नि. 704 .—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 320 के खंड (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) संशोधन विनियम, 1958 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाने है, अर्थात्:—

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) संशोधन विनियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 की अनु-सूची में, प्रविष्टि 9 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(9क) सहायक और आशावाक श्रेणी “ग” के समूह “ख” (प्रराज-तल्ल) पद सीधी भर्ती द्वारा खुली प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से भरे जाएंगे।”

[संख्या-240/2/31/85-स्था. (ख)]

एम. वी. केशवन, निदेशक

पाद टिप्पण :

मूल विनियम अधिसूचना सं. सा. का. नि. 789 तारीख 13-9-1958 द्वारा भारत के राजपत्र 1958 भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में प्रका-शित किया गया था।

तत्पश्चात् वे निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए:—

क्र.सं.	सा. का. नि. सं.	तारीख
1	2	3
1.	1197	20-12-58
2.	1451	10-12-60
3.	731	3-6-61
4.	1047	26-8-61
5.	382	31-3-62
6.	1644	8-12-62
7.	1689	15-12-62
8.	578	6-4-63
9.	1888	14-12-63
10.	670	2-5-61
11.	431	20-2-65
12.	599	24-4-65
13.	1672	20-11-65
14.	388	19-3-66
15.	622	30-4-66
16.	944	18-6-66
17.	1433	21-6-69
18.	633	18-4-70
19.	879	6-6-70
20.	1654	6-11-71
21.	168	24-2-73

1	2	3
22.	465	14-11-74
23.	594	17-5-75
24.	2288	30-8-75
25.	1063	24-7-76
26.	610	14-5-77
27.	740	2-6-79
28.	441	14-7-79
29.	73	23-1-82
30.	480	15-4-82
31.	481	29-5-82
32.	329	6-4-85
33.	479	18-5-85
34.	512	1-6-85
35.	918	5-10-85
36.	268	12-4-86
37.	1071	20-12-86
38.	273	18-4-87
39.	74	6-2-88
40.	590	23-7-88

Subsequently amended by :—

S.No.	G.S.R. No.	Date
1	2	3
1.	1197	20-12-1958
2.	1451	10-12-1960
3.	731	03-06-1961
4.	1047	26-08-1961
5.	382	31-03-1962
6.	1644	08-12-1962
7.	1689	15-12-1962
8.	578	06-04-1963
9.	1888	14-12-1963
10.	679	02-05-1961
11.	431	20-02-1965
12.	599	24-04-1965
13.	1672	20-11-1965
14.	388	19-03-1966
15.	622	30-04-1966
16.	944	18-06-1966
17.	1433	21-06-1969
18.	633	18-04-1970
19.	879	06-06-1970
20.	1654	06-11-1971
21.	168	24-02-1973
22.	465(E)	14-11-1974
23.	594	17-05-1975
24.	2288	30-08-1975
25.	1063	24-07-1976
26.	610	14-05-1977
27.	740	02-06-1979
28.	441(E)	14-07-1979
29.	73	23-01-1982
30.	480	15-04-1982
31.	481	29-05-1982
32.	329	06-04-1985
33.	479	18-05-1985
34.	512	01-06-1985
35.	918	05-10-1985
36.	268	12-04-1986
37.	1071	20-12-1986
38.	273	18-04-1987
39.	74	06-02-1988
40.	590	23-07-1988

MINISTRY OF PERSONNEL PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 7 September, 1989

GSR, 704— In exercise of the powers conferred by the proviso to clause (3) of article 320 of the Constitution, the President hereby makes the following regulations further to amend the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Amendment Regulations, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958 after entry (9), the following shall be inserted, namely :—

“(9A) Group ‘B’ (non-gazetted) Posts of Assistants and Stenographers Grade ‘C’ to be filled by direct recruitment through open competitive examinations.”

[No.24012/31/85-ESTT.B]

M.V. KESAVAN, Director

FOOT NOTE :—

Principal regulations published vide Notification GSR No. 789 dated 13-9-1958 Gazette of India 1958 Part II, Section 3, Sub-Section (i).

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंककारी प्रभाग)

नई दिल्ली, 5 सितंबर, 1989

सा. का.नि. 705 :—प्रधानमन्त्रि प्रवेश राज्य सरकार ने यह अनुरोध किया है कि राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (1951 का 63)

की धारा 27, 29, 30, 31, 32, 32क, 32ख, 32ग, 32घ, 32ङ, 32च, 32छ, 41, 41क, 42 और 44 की धाराओं के उपबंध अर्णाचल प्रदेश औद्योगिक विकास और वित्तीय निगम लिमिटेड को जो राज्य सरकार द्वारा स्थापित संस्था है और जिसका उद्देश्य औद्योगिक समुदायों का वित्त पोषण करना है, लागू किए जाएंगे।

अब, अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 46 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त धारा 27, 29, 30, 31, 32, 32क, 32ख, 32ग, 32घ, 32ङ, 32च, 32छ, 41, 41क, 42 और 44 के उपबंध उक्त अर्णाचल प्रदेश औद्योगिक विकास और वित्तीय निगम लिमिटेड को लागू होंगे।

[फा. सं. 5(9) 86-पी एफ-2]

बी. पी. भारद्वाज, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 5th September, 1989

G.S.R. 705.—Whereas the State Government of Arunachal Pradesh have requested that the provisions of sections 27, 29, 30, 31, 23, 32A, 32B, 32C, 32D; 32E; 32F; 32G; 41; 41A; 42 and 44 of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951) may be made applicable to the Arunachal Pradesh Industrial Development and Financial Corporation Limited, an institution established by the State Government which has for its object the financing of industrial concerns.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 46 of the said Act, the Central Government hereby directs that the provisions of the said sections 27, 29, 30, 31, 32, 32A, 32B; 32C; 32D; 32E; 32F; 32G, 41, 41A, 42 and 44 shall apply to the said Arunachal Pradesh Industrial Development and Financial Corporation Limited.

[F. No. 5(9)/86-PP. II]

V. P. BHARDWAJ, Under Secy.

बस्त्र मंत्रालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली, 1 सितंबर, 1989

सा. का. नि. 706.—विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय में उप निदेशक तथा सहायक निदेशक (प्रशासन एवं समन्वय) के पद के

भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के संबंध में हम कार्यालय की अधिसूचना सं. 1/77/85-प्रशा.-2 दिनांक 15-7-1986 में आधिकारिक रूप से संशोधन करते हुए उप निदेशक (प्रशासन एवं समन्वय) के पद से संबंधित भर्ती नियमों की अनुसूची के कालम 12 की निम्नोक्त प्रकार पढ़ा जाए:—

वर्ग क विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति पर विचार करने के लिए)

- | | |
|---|----------|
| (1) अध्यक्ष सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग | —अध्यक्ष |
| (2) विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) | —सदस्य |
| (3) संयुक्त विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) प्रशासन से संबंधित | —सदस्य |
| (4) संयुक्त विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) विषय से संबंधित | —सदस्य |

[फा. सं. 1-24-89-प्रशा. 1]

दे. कु. मुखोपाध्याय संयुक्त विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

MINISTRY OF TEXTILES

Office of the Development Commissioner (Handicrafts)

New Delhi, the 1st, September, 1989

G.S.R. 706.—In partial modification of this office notification No. 1/77/85-AD.-II, dated 15-7-1986 regulating the method of recruitment to the post of Deputy Director and Assistant Director (Administration & Co-ordination) in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), the Col. 12 of the Schedule for recruitment rules for the post of Deputy Director (Administration & Co-ordination) may be read as under:—

Group-A Departmental Promotion Committee (for considering promotion).

- | | |
|--|-----------|
| (1) Chairman/Member, UPSC | —Chairman |
| (2) Development Commissioner (Handicrafts) | —Member |
| (3) Joint Development Commissioner (Handicrafts) dealing with Administration | —Member |
| (4) Joint Development Commissioner (Handicrafts) dealing with subject. | —Member |

[F. No. 1/24/89-Admn. -I]

D. K. MUKHOPADHYAY, Jt. Development Commissioner (Handicrafts).

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 सितंबर, 1989

सा. का. नि. 707.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, फरक्का बराज परियोजना (समुह "ग" पद) भर्ती नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम फरक्का बैरेज परियोजना (समुह "ग" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

- फरक्का बैरेज परियोजना (समुह "ग" पद) भर्ती नियम 1976 की अनुसूची में,—

- (1) स्लॉ 6 के पश्चात् निम्नलिखित नया स्लॉ जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

"सेवा में जोड़े गए व्यक्तियों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अर्थात् अनुसूची है या नहीं।

(II) पद 13 और उससे संबंधित प्रविष्टियों पर निम्नलिखित पद और प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात : —

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा भर्तयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए प्राप्ति योग्यता	सेवा जोड़े वरी का फायदा केन्द्रीय मिश्रित सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुभूत है या नहीं
1	2	3	4	5	6	6(क)
"13. नक्शानवीस श्रेणी-1 9* (1989)		साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" अनुसूचित-बीय पराजपलित	1400-40-1800- व.रो.-50-2300र. और 1200-30-1560-द. री० 40-2040 र०	अचयन	नाम नहीं होता	नहीं
	*कार्यभार के आधार पर परि-वर्तन किया जा सकता है।					
टिप्पण: तृतीय वेतन आयोग ने दो वेतनमान प्रस्तावित 425-र. 700 और 330-—560 र. की सिफारिश की थी जिनका चतुर्थ केन्द्रीय वेतन आयोग के आधार पर क्रमशः 1400—2300र. और 1200—2040 . में सुधार किया जा चुका है।						
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए, शैक्षिक और अन्य शर्तें						
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए, परिशिक्षा की अवधि यदि कोई हो विहित प्राप्ति और शैक्षिक शर्तें प्रोत्त प्रोत्त व्यक्तियों की वषा में लागू होंगे या नहीं						
	7		8		9	
	लागू नहीं होता		नहीं		लागू नहीं होता	
भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधे होंगे या प्रोत्त द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता						
प्रोत्त/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण/भर्ती की वषा में से श्रेणियाँ जिनसे प्रोत्त/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा						
	10		11			
100 प्रतिशत प्रोत्त द्वारा					ऐसा नक्शानवीस श्रेणी-2 जिसने उन श्रेणियों में 8 वर्ष नियमित सेवा की है।	
यदि विभागीय प्रोत्त समिति है तो उसकी संरचना						
भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा						
	12		13			
समूह "ग" विभागीय प्रोत्त समिति निम्नलिखित से गठित होंगी: अध्यक्ष—अधीक्षण इंजीनियर सदस्य—दो कार्यपालक इंजीनियर (जिनके अंतर्गत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का एक प्रतिनिधि भी है)।					लागू नहीं होता	

सब 14 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात:

1	2	3	4	5	6	6क
नकशानवीस श्रेणी-2	26 ^क (1989)	माघारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग", भवन-मन्त्रालय परराजपत्रित	1200-30-1560- द.रो.-40-2040क.	अवयव	18 से 25 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या प्रा- देशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए) शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है।	नहीं
*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।						
(टिप्पण) (1) आयु- सीमा प्रवर्धित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में प्रत्यक्षियों उनसे भिन्न जो अनुमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।						
(टिप्पण) (2) ऐसे पदों की बाबत जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु-सीमा प्रवर्धित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय के नाम भेजने के लिए कहा गया है।						

(1) मब 15क और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थापन पर निम्नलिखित पत्र और प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात्:—

1 2 3 4 5 6 6क 7

नवशानवीस श्रेणी 3 *7 (1989)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ग" व.रो.-30- अनुसूचिनीय प्रराज0वित्त	975-25-1150	अवयन	18 से 25 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनु- देशों या प्रादेशों के अनुसार सरकारी सेवाओं के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक शिथिल की जा सकती हैं। टिप्पण : 1 आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अयमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। टिप्पण : 2 ऐसे पदों की बाबत जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	नहीं	(1) किसी माध्यता - प्राप्त विश्वविद्यालय/ बोर्ड से मट्रिकुलेशन या समतुल्य। (2) किसी माध्यताप्राप्त संस्थान से नवशानवीस में 2 वर्ष से अभ्युक्त की अवधि का प्रमाण पत्र या डिप्लोमा होता चाहिए।
--------------------------------	---	-------------	------	---	------	---

*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

6

6

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	(1) सीधी भर्ती द्वारा 95 प्रतिशत (2) कैरोप्रिटर से स्थानांतरण द्वारा 5 प्रतिशत।	विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने के अधीन रहते हुए ऐसे कैरोप्रिटर जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष की नियमित सेवा की हो।	समूह "ग" विभागीय प्रोन्नति समिति निम्नलिखित से गठित होती : (1) अध्यक्ष—अधीक्षक इंजीनियर (2) सदस्य—दो कार्यपालक इंजीनियर (जिसके अंतर्गत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का एक प्रतिनिधि भी है।	सागू नहीं होता

पत्र टिप्पण:— मूल नियम भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, (i) तारीख 25 दिसम्बर, 1976 को पृष्ठ 3191 से 3202 पर कृपि और सिचाई मंत्रालय (सिचाई विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 1783, तारीख 25 दिसम्बर, 1976 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

(i) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 (i) में पृष्ठ 2248 से 2251 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. सा. का. नि. 968, तारीख 23 जुलाई, 1977

(ii) भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3(i) में पृष्ठ 2291 से 2293 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. सा. का. नि. 994 तारीख 30 जुलाई 1977

- (iii) भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3(i) में पृष्ठ 1748 से 1791 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. सा. का. नि. 802 तारीख 2 अगस्त 1980
- (iv) भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3(i) में पृष्ठ 750 से 758 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. सा. का. नि. 241, तारीख 19 मार्च 1983
- (v) भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3(i) में पृष्ठ 493 से 495 पर प्रकाशित अधिसूचना सं. सा. का. नि. 183, तारीख 16 फरवरी 1986

[सं. 2/65/84--एफ. बी. पी.]

के. के. टंडन, प्रवर सचिव

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 12th September, 1989

G.S.R. 707—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Farakka Barrage Project (Group 'C' Posts) Recruitment Rules, 1976, namely :

1. (1) These rules may be called the Farakka Barrage Project (Group 'C' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Farakka Barrage Project (Group 'C' Posts) Recruitment Rules, 1976,—

(i) after Column 6, the following new column shall be added, namely :—

“Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules 1972.

6(a)

(ii) for item 13 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely :—

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
“13. Draftsman Grade-I	9* (1989)	General Central Service Group 'C', Non-Ministerial, Non-Gazetted.	Rs.1400-40-1800-EB-50-2300 and Rs.1200-30-1560-EB-40-2040. Note : The 3rd Pay Commission had recommended two scales of pay viz Rs.425-700/- and Rs.330-560/- which have been revised to Rs.1400-2300/and Rs.1200-2040/-respectively on the basis of the 4th Central Pay Commission.
	*Subject to variation dependent on work load.		
Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits
5	6	6(a)	7
Non-Selection	Not applicable.	No.	Not applicable.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.		
8	9	10		
No.	Not applicable.	100% by promotion.		
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.		
11	12	13		
Draftsman Grade II who have rendered 8 years of regular service in that grade.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : Chairman—Superintending Engineer Member—Two Executive Engineers (Including a representative of Scheduled Caste and Scheduled Tribe).	Not applicable."		
(iii) for item 14 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely :—				
1	2	3	4	5
"Draftsman Grade-II.	26* (1989)	General Central Service Group 'C', Non-Ministerial, Non-Gazetted.	Rs.1200-30-1560- EB-4 0-2040/-.	Non-Selection.
*Subject to variation dependent on work load.				
6	6(a)		7	
18 to 25 years. (Relaxable upto 35 years in the case of Government servant in accordance with the instructions issued by the Central Government). Note : (1) The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from the candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note : (2) In case of appointment made through the Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the employment Exchange are asked to submit the names.	No.		Essential : (i) Matriculation or equivalent from a recognised University/Board. (ii) Diploma/National Trade Certificate in Draftsmanship (Civil/Mechanical) from a recognised Institute plus practical experience of at least one year in the line in an organisation of repute after getting the Diploma Certificate.	
8	9		10	
No.	2 years (for direct recruits only).		100% by promotion from Draftsman Grade III, failing which by direct recruitment.	

11	12	13
Draftsman Grade III having Diploma/Certificate of Draftsmanship or equivalent from a recognised Institution/Board and should have rendered not less than 3 years of regular service in the grade or Draftsman Grade III not possessing Diploma/Certificate in Draftsmanship or equivalent shall be eligible for appearing in departmental examination after rendering 3 years service in the grade. Those who pass the examination will be eligible for promotion on completion of their six years of regular service in the grade.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : Chairman—Superintending Engineer Members—Two Executive Engineers (Including a representative of the Scheduled Caste/Scheduled Tribes).	Not applicable.”;

(iv) for item 15A and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5
“Draftsman Grade III	7* (1989)	General Central Service Group ‘C’, Non-Ministerial, Non-Gazetted.	Rs. 975-25-1150-EB-30-1540:-.	Non-Selection.
*Subject to variation dependent on work load.				

6	6(a)	7
18 to 25 years. (Relaxable upto 36 years in the case of Government servant in accordance with the instructions issued by the Central Government). Note : (1) The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note : (2) In case of appointment made through the Employment Exchange the crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchange are asked to submit the names.	No.	(i) Matriculation or equivalent from a recognised University/Board. (ii) Should possess certificate or Diploma in Draftsmanship from a recognised Institute of not less than 2 years duration.

8	9	10
No.	2 years	(i) By direct recruitment—95%. (ii) By transfer from Ferro Printer 5%.

11	12	13
Ferro Printer with a minimum of 5 years' regular service in the grade, subject to passing of the departmental examination.	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of : (i) Chairman—Superintending Engineer. (ii) Members—Two Executive Engineers. (Including a representative of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe).	Not applicable.”;

Foot Note :— The principle rules were published in the Gazette of India, Part-II, Section 3(i) dated the 25th December, 1976 at pages 13191 to 3202 vide notification, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation), No. GSR 1783 dated the 25th December, 1976.

- (i) Notification No. GSR 966, dated the 23rd July, 1977 published in the Gazette of India, Part II, Section 3(i) at pages 2248 to 2251.
- (ii) Notification No. GSR 994, dated the 30th July, 1977, published in the Gazette of India, Part II, Section 3(i) at pages 2291 to 2293.
- (iii) Notification No. GSR 802, dated the 2nd August, 1980 published in the Gazette of India, Part II, Section 3(i) at pages 1748 to 1791.
- (iv) Notification No. GSR 241, dated the 19th March, 1983, published in the Gazette of India, Part-III, Section 3(i) at pages 750 to 758.
- (v) Notification No. GSR 183, dated the 16th February, 1985, published in the Gazette of India, Part II, Section, 3(i) at pages 493 to 496.

[No. 2/65/84-FBP]

K.K. TANDON, Under Secy.

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1989

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 6th September, 1989

सा. का.नि. 708.—भारत सरकार, कंपनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा. का.नि. 443(अ) के साथ नष्ट कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (i) के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा. का.नि. 3216 (जिसे जिससे इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में प्रांशिक उपान्तरण करते हुये कंपनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि सैमस स्पाईर कपास एस ए स्पाईर (जिसे इसमें इसके बाद कंपनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कंपनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षा जैसी कि वे किसी विदेशी कंपनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित अपवादों तथा उपान्तरों के अधीन रहते हुये लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कंपनी 30-4-87, 30-4-88, 31-3-89 एवं 31-3-90 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कंपनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबंधों का पर्याप्त अनुपालन द्वारा समझा जायेगा :—

- (i) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अंतर्गत भारत में प्रादेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासनात्मक सेवापाल द्वारा किया गया है।
- (ii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कंपनी की परिचालन तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (iii) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित उस आणख क पमाणपत्र कि कंपनी ने 30-4-87, 30-4-88, 31-3-89 एवं 31-3-90 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,
[संख्या 50/22/89-मि.एल.-III]

G.S.R. 708.—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. GSR 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216, dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. SPIE CAPAG S.A. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 30-4-87, 30-4-88, 31-3-89 and 31-3-90 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (a) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above ; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-4-87, 30-4-88, 31-3-89 and 31-3-90.

By Order of the Company Law Board.

[No. 50/22/89-CL.III]

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1989

सा. का.नि. 709 भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा. का.नि. 443(अ) के साथ

पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 599 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इस नोटिस के बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक अपान्तरण करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स निपन कोकन के.के. (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 599 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपास्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपास्तरणों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 30-4-70, 30-1-88, 31-3-89 एवं 31-3-90 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594, की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन समझा जायेगा :—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तिओं तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत भारत में आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासनाप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिस्थितियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 30-4-87, 30-4-88, 31-3-89 एवं 31-3-90 की समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश में,

[संख्या 50/20/89-सी.एल.-3]

New Delhi, the 11th September, 1989

G.S.R. 709.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Nippon Kokan K.K. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of Sub-section (1) of the said Section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of said Section 594, if in respect of the financial year ended on 30-4-87, 30-4-88, 31-3-89 and 31-3-90 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause

(d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act, and (2) a Chartered Accountant practising in India;

- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and

- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 30-4-88, 31-3-89 and 31-3-90.

By Order of the Company Law Board.

[No. 50/20/89-CL.III]

सा.का.नि. 710—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 443(घ) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसमें इसके बाद अधिनियम कहा गया है) में आंशिक अपान्तरण करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मैसर्स हेलीबॉटन ओफ़िशोर सर्विस इन् कोरपोरेटड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपास्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा अपान्तरणों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-12-84 से 31-12-88 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 599 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन समझा जायेगा :—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तिओं तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत भारत में आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासनाप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिस्थितियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-12-8 से 31-12-88 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश में,

[संख्या 50/12/88-सी.एल. III]

G.S.R. 710.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Halliburton, Off-shore Services Inc. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said Section as modified in their

application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modification, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of said Section 594, if in respect of the financial year ended on 31-12-81 to 31-12-88 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-84, 31-12-85, 31-12-86, 31-12-87 and 31-12-88.

By order of the Company Law Board

[No. 50/12/89-CL.III]

सा.का.नि.-711.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 443(प्र) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (i) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 9 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे जिसमें इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में प्राथमिक उपात्तरण करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मेसर्स ई.आर.जॉन्स ओमल शीप्ट एम.बी.एच. (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपात्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपात्तरों के अधीन रहते हुए लागू होंगे, यर्थात् :—

यदि कम्पनी 30-9-86, 30-9-87, 30-9-88 एवं 30-9-89 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन द्वारा समझा जायेगा :—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत भारत में प्रादेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास-प्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निविष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिमपत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस घोषण का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 30-9-86, 30-9-87, 30-9-88 एवं 30-9-89 समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,

[संख्या 50/24/89-सी.एल.-III]

G.S.R. 711.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 hereafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Erzgesellschaft mbH (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ended on 30-9-86 to 30-9-89 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 30-9-86, 30-9-87, 30-9-88 and 30-9-89.

By order of the Company Law Board

[No. 50/24/89-CL.III]

सा.का.नि. 712.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 443(प्र) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (i) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे जिसमें इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में प्राथमिक उपात्तरण करने हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मेसर्स जॉन्स बरस्टोप बी.वी. (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएँ जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपात्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपात्तरों के अधीन रहते हुए लागू होंगे, यर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-12-87 एवं 31-12-88 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियाँ प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन द्वारा समझा जायेगा :—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत भारत में प्रादेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास-प्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।

- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निविष्ट ढंग

से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा

- (3) उपर्युक्त मध (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-12-87 एवं 31-12-88 की समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,

[संख्या 50/18/89-सी.एल.-III]

G.S.R. 712.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereinafter referred to as the company) being a foreign Board hereby directs that in case of M/s. Zanen Verstoep bv (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely:—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of the said Section 594, if in respect of the financial year ended on 31-12-87 and 31-12-88 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-87 and 31-12-88.

By order of the Company Law Board.

[No. 50/18/89-CL-III]

सा.का.नि. 713.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 443(प्र) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसमें इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में प्रांशिक उपात्तरण करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतद्वारा यह निर्देश देता है कि मिसस ओ. पी. डी. लिमिटेड (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं, जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिसूचना द्वारा उपात्तरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपात्तरों के अधीन रहते हुये लागू होंगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-12-87, 31-12-88, 31-12-89 एवं 31-12-90 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं

जै संबंध में भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन द्वारा समझा जायेगा :—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्रतियों तथा किये गये सुगतनों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणिकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत भारत में आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास-प्राप्त लेखापाल द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मध (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्दिष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मध (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-12-87, 31-12-88, 31-12-89 एवं 31-12-90 की समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से,

[संख्या 50/23/89-सी.एल.-III]

G.S.R. 713.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. O.P.D. Ltd. (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1), of the said Section 594, if in respect of the financial year ended on 31-12-87, 31-12-88, 31-12-89 and 31-12-90 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate :—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-87, 31-12-88, 31-12-89 and 31-12-90.

By order of the Company Law Board.

[No. 50/23/89-CL-III]

सा.का.नि. 714.—भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 443(प्र) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 594 की उपधारा (1) के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) दिनांक 4 अक्टूबर, 1957 की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 3216 (जिसे इसमें इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में प्रांशिक उपात्तर

जिसे जिसमें इसके बाद अधिसूचना कहा गया है) में आंशिक उपांतरण करने हुए कम्पनी विधि बोर्ड एनएच द्वारा यह निर्देश देता है कि वे सर्वे निम्नो हवाई कारपोरेशन (जिसे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विदेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाएं जैसी कि वे किसी विदेशी कम्पनी पर लागू होने के संबंध में अधिमूलना द्वारा उपांतरित की गई हैं, निम्नलिखित अपवादों तथा उपांतरणों के अधीन रहते हुए लागू होगी, अर्थात् :—

यदि कम्पनी 31-3-89 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत अपने भारतीय व्यापार लेखाओं के संबंध में भारत में समूचित कम्पनी रजिस्ट्रारों को निम्नलिखित की तीन प्रतियां प्रस्तुत करें तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुपालन द्वारा समझा जायेगा :—

- (1) भारतीय शाखा द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भुगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अन्तर्गत भारत आदेशिका की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शासनाप्त लेखापत्र द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निविष्ट डंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिसम्पत्तियों तथा देयताओं का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित उक्त आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-3-89 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई व्यापार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड के आदेश से

[संख्या 50/11/89-सी.एन.-III]

के.एम. गुप्ता, धरर सचिव

G.S.R. 714.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India Department of Company Affairs, Notification No. G.S.R. 443(E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S.R.O. 3216 dated the 4th October, 1957 (hereafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. Nissho Iwai Corporation (hereinafter referred to as the company) being a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provisions of clause (a) of sub-section (1) of said Section 594, if in respect of the financial year ended on 31-3-1989 the company in respect of its Indian Business accounts submits to the appropriate Registrar of Companies in India, in triplicate:—

- (i) A statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act and (2) a Chartered Accountant practising in India;
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-3-1989.

By order of the Company Law Board.

[No. 50/11/89-CLIII]

K. M. GUPTA, Under Secy.

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण वन तथा वन्य जीव विभाग)

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1989

सा. का. नि. 715. राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुकों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पर्यावरण, वन, और वन्य जीव विभाग में अधीन भारतीय वनस्पति विज्ञान में सर्वोच्च में ज्येष्ठ निजी सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1): इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वोच्च (ज्येष्ठ निजी सहायक) भर्ती नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या उनका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपादात अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि: उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु सीमा अर्हताएं और उसके संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हता, अहं व्यक्ति :

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा ;

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के व्यवपञ्चकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुमोद है और ऐसा करने के लिए अथवा आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इन नियमों के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. शिथिल करने की शक्ति : जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

6. व्याप्ति : इन नियमों की कोई बात, ऐसे आदेशों, आयुसीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालगी जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	चयन पद भर्तियों पर प्रयुक्त पद	सोची भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े हुए वर्षों का काल या केन्द्रीय सिविल सेवा पेंशन नियम, 1972 के नियम 30 के अन्वये अनुसूचित है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
ज्येष्ठ निजी सहायक	1* (1989) *कार्यधार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण, केन्द्रीय सेवा, समूह "ख" राजपत्रित अनुसूचिणीय	2000-60-2300- व.रो.-75-3200 ब	अभ्यन्त	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य महत्ताएं	सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक महत्ताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं	परिनिष्ठा की अवधि, यदि कोई हो
8	9	10
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	दो वर्ष यदि चयन आशुलिपिक श्रेणी 2 किया जाता है।

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।
11	12

प्रोन्नति द्वारा जिनके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा

प्रोन्नति : 1640-2900 रुपए वर्तमान वाले ऐसे आशुलिपिक श्रेणी -1 जिन्होंने उस श्रेणी में 2 वर्ष नियमित सेवा की है जिसके न हो सकने पर आशुलिपिक श्रेणी-1 और आशुलिपिक श्रेणी 2 (1400-2300 रुपए) में कुछ मिलकर 7 वर्ष नियमित सेवा की है और दोनों के न हो सकने पर आशुलिपिक श्रेणी-2 के 1400-2300 रुपए वर्तमान वाले ऐसे आशुलिपिक जिन्होंने उस श्रेणी में 7 वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण:

(क) केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी :

(i) जो नियमित आधार पर सशुद्ध पद धारण कर रहे हैं, या

(ii) जिन्होंने 1640-2900 व. या समतुल्य वर्तमान में 11 दो वर्ष नियमित सेवा की है।

(iii) जिन्होंने 1400-2300 व. या समतुल्य वर्तमान में 7 वर्ष नियमित सेवा की है, और

(ख) जो आशुलिपिक (अंग्रेजी या हिन्दी) में 100 शब्द प्रति मिनट गति रखता है (वैयक्तिक प्रवर्ग) जो ऐसे विभागीय अधिकारी

12

जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में है प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे (प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अंतर्गत उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काबज बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि भी है तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

अथवा "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति निम्नलिखित से मिलकर बनेगी

संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

1. संयुक्त सचिव प्रशासन पर्यावरण और वन मंत्रालय — अध्यक्ष
2. निदेशक, (अवलोकन) और सर्वेक्षण (पर्यावरण और वन मंत्रालय) — सदस्य
3. निदेशक (वैज्ञानिक एस एंड भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण) — सदस्य
4. उप सचिव (प्रशासन) पर्यावरण और वन मंत्रालय — सदस्य

[फा. सं. 2/361/87-सी एस सी.]

MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

(Deptt. of Environment, Forests and Wildlife)

New Delhi, the 7th September, 1989

G.S.R. 715 .—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Personal Assistant in the Botanical Survey of India under the Department of Environment, Forests and Wildlife, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Botanical Survey of India (Senior Personal Assistant) Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,
- shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Senior Personal Assistant	1(1989)*	General Central Service, Group 'B' Gazetted, Ministerial.	Rs.2000-60-2300-EB-75-3200.
	*Subject to variation dependent on workload.		
Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits		Whether benefit of added years of service admissible under Rules 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.
5	6		7
Non-selection	Not applicable		Not applicable.
Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees		Period of probation, if any
8	9		10
Not applicable	Not applicable		2 years, if selection is made from Steno Grade-II
Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods		In case of recruitment by promotion/deputation transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	
11		12	
By promotion failing which, by transfer on deputation.		Promotion : Stenographers Grade-I with scale of pay of Rs.1640—2900 with 2 years regular service in the grade failing which with com-	

bined regular service of 7 years in Stenographer Grade-I and Stenographer Grade-II (Rs. 1400-2300) and failing both Stenographers Grade-II in the scale of Rs.1400-2300 with 7 years regular service in the grade.

Transfer on deputation :

(a) Officers of the Central Government :—

- (i) holding analogous posts on regular basis; or
- (ii) with 2 years regular service in the scale of Rs. 1640—2900 or equivalent; or
- (iii) with 7 years regular service in the scale of Rs.1400—2300 or equivalent; and

(b) Possessing a speed of 100 w.p.m. in Stenography (English or Hindi).

(The departmental officers in the feeder grade who are in direct line of promotion, will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion).

(Period of deputation including period of deputation in another cadre post held immediately preceding this appointment in the same organisation/department shall not exceed 3 years).

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition

Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

13

14

Grade 'B' DPC consisting of —

1. Joint Secretary (Administration) Ministry of Environment and Forests. —Chairman.
2. Director (Conservation and Survey), Ministry of Environment and Forests.—Member
3. Director/Scientist-SF Botanical Survey of India—Member
4. Deputy Secretary (Administration) Ministry of Environment and Forests.—Member.

Consultation with Union Public Service Commission not necessary.

[F.No.2/30/87-CSB]

सा. का. नि. 716. राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पर्यावरण वन और ग्रामीण विभाग के अधीन भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण में त्रय अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

क1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण (त्रय अधिकारी समूह "क") भर्ती नियम, 1989 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पद की संख्या उसका उनका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों के उपाक्षेत्र अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य महत्वाएं आदि—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति आयु-सीमा महत्वाएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहता, वह व्यक्ति—

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए उक्त व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. शिथिल करने की शक्ति —जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी बर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की भावना आदेश द्वारा शिथिल कर सकती है।

6. व्यापति —इन नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षणों, आयुसीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, मूलपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	न्यूनतम	अधिकतम आयु या आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े हुए बर्गों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) के नियम, 1972 के नियम 30 अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	------------------------	---	---

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

क्या अधिकारी	1* (1989.) * कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राज-पक्षित	3000-100-3500 125-4500 रु.	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
--------------	---	---	-------------------------------	----------------	----------------	----------------

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति व्यक्ति की वस्था में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो
---	--	-------------------------------

(8)	(9)	(10)
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	शून्य

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वस्था में श्रेष्ठियां जिन्हें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

(11)

(12)

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण इसमें लघु अवधि संविदा भी सम्मिलित है। प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण —इसमें लघु अवधि संविदा भी सम्मिलित है।

केन्द्रीय सरकार/पब्लिक सेक्टर उपक्रमों/स्वायत्त निकायों अनुसंधान संस्थानों के
ऐसे अधिकारी—

- (क) (i). जो नियमित आधार पर सर्व पद धारण कर रहे हैं, या
(ii) जिन्होंने 2200-4000 रु. वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर
पांच वर्ष नियमित सेवा की है, या
(iii) जिन्होंने 2000-3500 रु. वेतनमान वाले या समतुल्य
पदों पर 7 वर्ष नियमित सेवा की है, और

(ख) जिनके पास संशोधन सामग्री क्रय करना और उसके रखरखाव
का काम से काम पांच वर्ष का अनुभव है।

ऐसे विभागीय संशोधन अधिकारियों पर भी विचार किया जाएगा
जिन्होंने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है, यदि पद पर
नियुक्ति के लिए उसका खयन कर लिया जाता है तो उक्त
पद प्राप्ति द्वारा भरा गया समझा जाएगा।

(गोपक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्राप्ति की सीधी
पंक्ति में हैं, प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने
के पात्र नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्राप्ति
द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत उसी या किसी अन्य संगठन/
विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काष्ठर बाह्य पद पर
प्रतिनियुक्ति की अवधि भी है, चार वर्ष से अधिक नहीं होगी।

यदि विभागीय प्राप्ति समिति है तो संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

(13)

(14)

नागू नहीं हूँगा

प्रत्येक अवसर पर खयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से
किया जाएगा।

[फा. सं. 1/48/37 में एम वॉ]

मिस्टर सेन, डेप्ट अधिकारी

G.S.R. 716.--In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Purchase Officer—Group 'A' in the Botanical Survey of India under the Department of Environment, Forests and Wildlife, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Botanical Survey of India (Purchase Officer—Group 'A') Recruitment Rules, 1989.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person.—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, the Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Purchase Officer	1 (1989)*	General Central Service, Group 'A', Gazetted.	Rs. 3000-100-3500-125-4500.
*Subject to variation dependent on workload			
Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972	
5	6	7	
Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	
Educational and other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees		Period of probation, if any
8	9		10
Not applicable.	Not applicable.		Nil
Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made		
11	12		
Promotion/transfer on deputation (including short term contract).	Promotion/transfer on deputation (including short term contract)		

Officers of the Central Government/Public Sector undertakings/autonomous bodies/research institutes,—

- (a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or
- (ii) with 5 years' regular service in posts in the scale of Rs. 2200-4000 or equivalent; or
- (iii) with 8 years' regular service in posts in the scale of Rs. 2000-3500 or equivalent; and
- (b) possessing at least 5 years' experience in purchase and maintenance of stores.

The departmental Stores Officer with 5 years' regular service in the grade will also be considered. In case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to be filled up by promotion.

(The departmental officers in the feeder grade who are in direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion.)

(The period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department shall not exceed 4 years).

If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
13	14
Not applicable.	Selection on each occasion shall be made in consultation with Union Public Service Commission.

[F. No. 1/48/87-CSB]
MITTER SAIN, Desk Officer

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1989

सा. का. नि. 717.—राजपत्र, सचिवालय के प्रनृच्छेद 309/8 के परम्पूक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पर्यावरण वन और वन्यजीव विभाग वैज्ञानिक समूह "क" पर नियम, 1987 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनात है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग वैज्ञानिक समूह "क" पर (संशोधन) नियम, 1989 है
2. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग वैज्ञानिक समूह "क" पर नियम, 1987 के उपाखण्ड 2 में "वैज्ञानिक पदों पर भर्ती के लिए मान" तथा "संग्रहालय" और उसके नोंबो के टिप्पणों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

"वैज्ञानिक पदों पर भर्ती के लिए मान"

एन सी	एम डी	एम ई	एम एक	एन जी	जी	एन
2200-75-	3000-100-	3700-125-	4500-150-	5100-150-	5900-200-	5900-200
2800- इ.रो.	3500-125-	4700-150-	5700 रु	5700 200-	6700 रु.	7300 रु.
-100-	4500 रु.	5000 रु		200- 6300 रु		
4000 रु						

संग्रहालय

विज्ञान में मास्टर डिग्री

तथा

+ 5

+ 10

या समतुल्य और साथ

ही संग्रहालय विज्ञान

में ऐसे पाठ्यक्रम को

पूरा करने का डिप्लोमा

या प्रमाणपत्र जिसका

अवधि 10 मास से

कम न हो या राज्य/

राष्ट्रीय संग्रहालय में

अधिमानी प्राकृतिक

इतिहास अनुभाग में,

कार्य करने का

2 वर्ष का अनुभव ।

टिप्पण :

1. विज्ञान में मास्टर डिग्री या समतुल्य प्रथम श्रेणी में होनी चाहिए ।
2. सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों का उच्च वेतन के बिना उनका नियुक्ति की गई है स्तुतन से उच्चतर प्रारम्भिक वेतन दिया जा सकेगा । किन्तु ऐसा प्रारम्भिक वेतन, वेतनमान के स्तुतन से पांच अग्रिम वेतन वृद्धियों से अधिक नहीं होगा ।
3. 5+5, 10 बुनियादी शैक्षिक अर्हताओं के अनिवार्य अनुभव के स्तुतन वर्षों का संख्या का घटक है ।
4. विद्या के किसी विशिष्ट क्षेत्र में सही अनुभव सुसंगत पदों के लिए विज्ञापन में उपस्थित रूप में होगा ।
5. वैज्ञानिक "एम एक" और उससे ऊपर के पदों पर सीधे भर्ती के लिए श्रेष्ठ अनुभव निम्नलिखित होगा :
एम. एक. 15 वर्ष; एम जी 20 वर्ष, जी और उससे ऊपर 25 वर्ष ।

[का. सं. 9 (3)/89 पी.एस. आर.]

हरे लाल, प्रवर सचिव

पाठ टिप्पण :

1. मूल नियम, भारत के राजपत्र में सा. का. वि. सं. 816 (अ) तारीख 23-9-87 द्वारा प्रकाशित किए गए थे ।
2. सा. का. वि. सं. 831, तारीख 12-11-1988 द्वारा एक संशोधन प्रविष्टि किया गया था ।

New Delhi, the 13th September, 1989

(1) These rules may be called the Department of Environment, Forests and Wildlife Scientific Group 'A' Posts (Amendment) Rules, 1989,

(2) The shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

G.S.R. 717.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Environment, Forests and Wildlife Scientific Group 'A' Posts Rules, 1987, namely :—

In Annexure II to the Department of Environment, Forests and Wildlife Scientific Group 'A' Posts Rules, 1987, for the "Norms for Recruitment to Scientific Posts" under "Museum" and the notes thereunder the following shall be substituted, namely:—

‘NORMS FOR RECRUITMENT TO SCIENTIFIC POSTS’

SC	SD	SE	SF	SG	G	H
Rs. 2200-	Rs. 3000-	Rs. 3700-	Rs. 4500-	Rs. 5100-	Rs. 5900-	Rs. 5900-
75-	100-	125-	150-	150-	200-	200-
2800-	3500-	4700-	5700	5700-	6700-	7300
EB-	125-	150-		200-		
100-	4500	5000		6300		
4000						

Master's degree in Science or equivalent, with at least a diploma or a certificate of completion of a course in Museology of a duration of not less than 10 months, or two years' experience of working in a State/National Museum Preferably in the Natural History Sections.

FRESH +5 +10

Notes :—

1. Master's degree in Science or equivalent will have to be in first class.
2. Direct recruits may be given higher initial start than the minimum of the scale to which they are appointed. However, such an initial start shall not exceed five advance increments over the minimum of the scale.
3. +5, +10 denote minimum number of years of experience required in addition to basic educational qualifications.
4. The exact experience in a particular field of discipline shall be as indicated in the advertisement for the relevant posts.
5. For direct recruitment to the post of scientist 'SF' and above, experience required will be as follows :—

“SF 15 years; SG 20 years; G and above 25 years.”

[F. No. 9(3)/89-PSR]
HAREY LAL, Under Secy.

FOOT NOTE :—

1. The Principal rules were published in the Gazette of India vide G.S.R. No. 816(E), dated 23rd September, 1987.
2. An amendment was notified vide G.S.R. No. 881 dated 12th November, 1988.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नियमावली

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1989

मा.का.नि. 718: केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल/बैद्युत) के ग्रेड से सहायक इंजीनियर (सिविल/बैद्युत) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु 1989 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं।

2489 GI/89-5

1. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पत्र सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रखे जाएंगे।

2. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

3. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल/बैद्युत) ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त ऐसे अधिकारी परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे जिन्होंने विभाग में कनिष्ठ इंजीनियर के पद पर 1 जुलाई, 1989 को चार वर्ष की सेवा पूरी कर लेने की शर्त पूरबी कर ली है।

नोट: केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के वे कनिष्ठ इंजीनियर परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र होंगे जो सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से संघ में बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं और अथवा पात्र हैं।

किन्तु यह केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के उभय कनिष्ठ इंजीनियर के लिए लागू नहीं है, जो किसी संघ में बाह्य पद या किसी अन्य सेवा में “स्थानान्तरण” पर नियुक्त किए गए हैं और केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियर के पद पर उनका धारणाधिकार नहीं है।

4. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का अंतिम निर्णय होगा।

5. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश-पत्र न हो।

6. जिस उम्मीदवार ने:

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा

- (4) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे बतलाए दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य प्रतिनिधित्व अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत अर्नें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अशुभ भाष्य की हो, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का हड़ताल किया हो, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए, आयोग द्वारा निर्भर कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो या
- (11) उम्मीदवारों की परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित उनके प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो, या
- (12) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के करने का प्रयास किया हो या प्रयास के लिए अव्यवस्थित किया हो। द्वारा आयोग की अव्यवस्थित करने का प्रयत्न किया हो।

तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा के जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए उपयोग ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
- (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा भवन के लिए,
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी में बारित किया जा सकता है, और
- (ग) उसके विशुद्ध उपसूचन नियमों के अधीन कोई अनुशासनिक कार्य-वर्षी की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

- (1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अग्रवाद देना जो, वह देना चाहते प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अग्रवाद देना पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

7. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के तौर 5 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

8. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अनिवार्य रूप से दिए गए कुल प्रश्नों के आधार पर उनके योग्यता स्तर के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी आरक्षित खाती जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो तो उनमें ही ऐसे उम्मीदवारों की योग्यता क्रम के अनुसार पदोन्नति के लिए अनुशंसा की जाएगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर के अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवार नहीं लिए जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में बची पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, विद्यमान के लिए अनुशंसित किए जा सकेंगे, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं परों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

नोट : उम्मीदवारों को स्पष्ट रूप से यह समझ लेना चाहिए कि यह एक प्रतिरोधिता परीक्षा है न कि अंशक परीक्षा। परीक्षा के परिणामों के

आधार पर पदोन्नति किए जाने वाले व्यक्तियों की संख्या के बारे में पूर्ण रूप से सरकार द्वारा ही निर्णय लिया जाएगा। इसलिए कोई भी उम्मीदवार इस परीक्षा में अपने निष्पादन के आधार पर पदोन्नति के लिए अधिकारी के रूप में दावा नहीं करेगा।

9. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

10. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही पदोन्नति का अधिकार तब तक नहीं मिलता है जब तक इसके लिए सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा में अपने आचरण की दृष्टि से पदोन्नति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

किन्तु आयोग द्वारा पदोन्नति हेतु अनुशंसित किसी उम्मीदवार की पदोन्नति के लिए अग्रवक्ता से संरक्षित प्रायोगिक परामर्श से किया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने के बाद या परीक्षा में बैठने के बाद नियुक्ति से त्याग-पत्र देता है अथवा नौकरी छोड़ देता है या इससे अलग हो जाता है या जिसकी सेवाएं विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है या जो किसी संघर्ष वाले पद या "स्थानान्तरण" पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त हो जाता है और जिसका केन्द्रीय लोक विभाग विभाग में कनिष्ठ इंजीनियर (मिडल/वीथुन) के ग्रेड में कोई धारणाधिकार न हो, वह इस परीक्षा में परिणामों के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

किन्तु यह उन व्यक्तियों के लिए लागू नहीं होगा जिन्हें महानिदेशक आधिकारी के अनुमोदन से संघर्ष बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया गया है।

[सं. 3/8/87-ई.सी.आई.]

एस. रंगनाथम, उप सचिव निर्माण परिशिष्ट

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :

भाग 1. नीचे पत्र 2 में दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा जो रोजगार उम्मीद होगी, और जिसके अधिकतम 600 अंक होंगे।

भाग 2. आयोग जिन उम्मीदवारों के संबंध में निर्णय करे उक्त सेवा के अभिनेता का बसूलांकन जो अधिकतम 200 अंकों का होगा।

2. महावक इंजीनियर (मिडल/वीथुन) के ग्रेड में प्रतियोगी उम्मीदवारों को जिन विषयों में लिखित परीक्षा देनी होगी वे नीचे दिए गए हैं :

क. सेवा का ब्रेड

विषय

सं.

- | | |
|----------------------------|--|
| (1) सहायक इंजीनियर (मिडल) | 1. इंजीनियररी डिजाइन तथा निर्माण पद्धति (मिडल)। |
| | 2. सामान्य इंजीनियरी (मिडल) |
| (2) महावक इंजीनियर (वीथुन) | 1. इंजीनियरी डिजाइन तथा निर्माण पद्धति (वैद्युत व यांत्रिक)। |
| | 2. सामान्य इंजीनियर (वीथुन व यांत्रिक) |

विशेष ध्यान : प्रश्न पत्रों में वैज्ञानिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार के प्रश्न होंगे।

प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाए जाएंगे जिसमें समस्याओं के हल करने में, उम्मीदवारों के तकनीकी ज्ञान के प्रयोग करने की योग्यता का मूल्यांकन किया जा सके।

प्रत्येक प्रश्न-पत्र के पूर्णांक 300 होंगे और यह 3 घंटे का होगा।

3. सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएंगे।

4. उक्त परीक्षा की पाठ्य चर्चा वहीं होगी जो अनुसूची में निर्दिष्ट है।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर पत्रों हाथ से लिखने होंगे किन्हीं भी हस्तत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को महायन्त्रालय की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6. ग्रामीण अर्थोपस्था से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हता शर्त निर्धारित कर सकता है।

7. केवल सही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. पढ़ी न जा सकने वाली लिखाई के कारण लिखित विषयों के पूर्णता में से 5 प्रतिशत अंक काट लिए जाएंगे।

9. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का श्रेय दिया जाएगा कि अधिकतम कम अर्थों में कमबल प्रभावपूर्ण ढंग की और सही हो।

10. प्रश्न पत्रों में जहाँ आवश्यक होगा तालों और मापों की मीट्रिक प्रणाली से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जाएंगे।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय ढंग के प्रयोगात्मक रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

12. उम्मीदवारों को परीक्षागत (निर्वाहक) प्रकार के प्रश्न पत्रों के लिए बैठने से पहले बाले काटे कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या बदलने की अनुमति नहीं है।

अनुसूची

प्रश्न पत्र 1--इंजीनियरी डिजाइन तथा निर्माण पद्धति (मिथिल)

भाग--क : द्रव्य प्रवणता तथा संरचना सिद्धान्त

- (1) प्रतिबल-विकृति सम्बन्ध--हुक का नियम।
- (2) आधार दाँधों और पिन से जुड़े दाँधों के बलों का बल निर्धारण।
- (3) बंकन अणु तथा अपक्षणी बल सरल बंकन का सिद्धान्त।
- (4) सतल वृण्ड तथा सरल निवाहिकाः--

बंकन अक्षरूप तथा अपक्षणी तूल का निर्धारण--विश्लेषण पद्धतियाँ।

भाग--ख : अभिकल्पना विषय

अवल, चन तथा आयु भार का निर्धारण मुख्य कारक और भार कारक।

भाग--ग : इस्तेमाल अभिकल्पना :

- (1) भारतीय मानकों के अनुसार एक तरफ़ वंछों तथा प्लेट गिडों की अभिकल्पना।
- (2) एकल तथा निर्मित स्तम्भ की अभिकल्पना स्तम्भ आधार संदर्भना।
- (3) इस्पाती छन के आधार दाँधों की अभिकल्पना।

भाग--घ : प्रबलित कंक्रीट :-

- (1) प्रबलित कंक्रीट के बुनियादी नियम, अपक्षणी, आवद्ध और विकर्ण तनाव, प्रबलन की अवस्थिति।
- (2) एक और और दोनों और से प्रबलित वंछों की अभिकल्पना, एक तरफ़ा तथा दो तरफ़ा पद्धतियाँ।
- (3) प्रबलित कंक्रीट स्तम्भ, जिसमें केवल एकदिश बंकन हो का सिद्धान्त तथा अभिकल्पना।
- (4) सिम्पल कॉटिलीवर तथा सिम्पल काउंटरफ़ोर्ट बनाए रखने वाली धिकारों की अभिकल्पना।
- (5) रज प्राण संरक्षण- विज्ञान अर्थभाग।

भाग--ङ : निर्माण पद्धति :-

- (1) भवन निर्माण के सामान्य विवरण जिनमें बुनियादी ढर्र, कानाना, चितार्, तथा छतों के विभिन्न प्रकार सम्मिलित हैं, निर्माण के दौरान सुरक्षा।

(2) ग्राम निर्माण सामग्री, जैसे ईट, पत्थर रेत तथा पूंछ सीमेंट चूना, इमारती लकड़ी और इस्पात के सामान्य गुणधर्म, भवनक अपेक्षाएं और परीक्षण, ताजा और वृष्टिभूत कंक्रीट के परीक्षण।

(3) भवन निर्माणों, स्वच्छता तथा जन आपूर्ति निर्माणों और सड़क निर्माणों, जिनमें मापन पद्धतियाँ सम्मिलित हैं, के लिए के. ए. नि. वि. की प्रशिक्षितियाँ।

प्रश्न पत्र 2--सामान्य इंजीनियरी (हिन्दी)

भाग--क : सर्वेक्षण :-

- (1) सर्वेक्षण यंत्रों का प्रयोग तथा समायोजन :- जरीब, समतल, पटल और उपसाधन, मुख्यकीय वित्तसूचक, लेबल तथा थियोडोलाइट।
- (2) दिक्बुद्धि तथा थियोडोलाइट चक्रम :- चक्रम में वृद्धि तथा परिमृद्धि चक्रम संगणना तथा समायोजन।
- (3) समतलन, पटल सर्वेक्षण :- विवरणों का आलेखन, लिबिंदु मसम्या और लिबिंदु समर्या।
- (4) समतलन :- समतलन और समानित समतल परिरणना पद्धतियाँ।
- (5) सर्वेक्षण सर्वेक्षण :- समीक्षकस्वयं की पद्धतियाँ, समीक्षक के गुणधर्म।
- (6) बर्को तथा सरक्षण :- विभिन्न पद्धतियों को प्रयोग में लाने हुए सरलविहीन तथा संकामी बर्कों का विधायन ऊर्ध्वधर बर्क।

भाग ख : महामार्ग इंजीनियरी :-

- (1) पहाड़ों और मैदानों में सड़क :- राष्ट्रीय महामार्गों के लिए न्यूनतम मानक
- (2) शहरी सड़कों की अधिकल्पना के सिद्धान्त, उनकी अनुवस्थानिक अपेक्षाएं तथा प्रतिच्छेद, सड़क जल निकास तथा अनुरक्षण, घर के रास्ते पहुँच पथ तथा सेवा विधि।

भाग ग : लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी :-

- (1) जल पूर्ति :- लोक जनपूर्ति के लिए अपेक्षित जल की गुणता तथा मात्रा। जल नीधन प्रक्रम जल विवरण प्रणालियाँ वाल्व फ़िटिंग-मैटेरिंग।
- (2) स्वच्छता :- भवनों का अभिविधायन संवाहन तथा धार प्रमाणन स्वच्छता उपकरण शुद्ध प्रवाहिकाओं का निर्माण तथा परीक्षा।
- (3) मल व्यवस्था :- मल व्यवस्था प्रणालियाँ-निर्माण तथा अनुरक्षण। बाह्य मल अभिविधायन के प्रकार-आक्सीकरण पोखर-साधारण अवसादन, पूनः संरक्षण तथा उच्चतर निम्नवन-संस्पर्श। तल-अतस्त्रावी, तस्थक। मैटिक टैंक। इम्होफ टैंक

भाग घ : मृदा यांत्रिकी तथा आधार इंजीनियरी :-

- (1) मृदा के सूचक गुणधर्म, अर्थीकरण, मृदा समवेक्षण।
- (2) आधार इंजीनियरी :- संरचना के लिए आधार के प्रकार के चयन के सिद्धान्त उपले तथा गहरे आधार-वहन क्षमता निर्धारण की पद्धतियाँ।
- (3) बहनन :- प्रयोगशाला तथा क्षेत्रगत पद्धतियाँ इस्तेमाल आधारना अर्थ।

प्रश्न पत्र 1--इंजीनियरी अभिकल्पना और निर्माण पद्धति (बैंगल और यांत्रिकी)

1. सामान्य :- भारतीय विद्युत अधिनियम, अद्यतन संशोधित भारत ५ विद्युत नियमावली विद्युत आपूर्ति की सामान्य शर्तों और कनेक्शन लेने के लिए लाइसेंसधारियों द्वारा भुगत किए जाने वाले प्रभाजों और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग का आत वैयक्त कार्यों के लिए सामान्य विनिर्देश हर-विश्लेषण के सिद्धान्त, प्रकल्पन तैयार करने के सिद्धान्त, परियोजना प्रतिषदन, निर्माण का आरंभ और निर्माण का निष्पादन तथा भा. मा.

संस्थान मानकों का मापन और संकेतों की पद्धतियों, बम्बई और विन्नीपिट अधिनियम और नियमावली।

2. प्रदीपन :—एकल और मानक :—आभ्यन्तर और बाह्य प्रकाशन अभिकल्पन के सिद्धांत, दीपों के प्रकार तथा गुणधर्म तथा उनके प्रयोग, अन्तर तथा वायु प्रयोग के लिए प्रकाशन परिणाम।

3. आभ्यन्तर वैद्युत संस्थापनाएं :—ताप लगाने की प्रणाली और उनकी अभिकल्पन वितरण प्रणाली। नियंत्रण और रक्षण, परीक्षण के उपस्कार।

4. विविध ई.एम. सेवाएं :—

(1) तटस्थ रक्षण :—अभिकल्पन, अभिविन्यास, सामग्री और संस्थापन।

(2) अग्नि संकेतन और रक्षण :—अग्नि संकेतन और अग्नि प्रमन के विविध प्रणालियाँ, उपकरण के अभिकल्पन और विनिर्देश।

(3) जलपूति :—पम्पिंग प्रणालियाँ और उनका प्रयोग, उपकरण और संस्थापन के लिए विनिर्देश।

(4) सुरक्षा तथा अनुरक्षण :—सुरक्षा क्रियाविधि और पद्धतियाँ, उपकरण और संस्थापन के सिद्धांत संस्थापनाओं का निवारक अनुरक्षण और परीक्षण।

5. 33 के.बी. तक उप केन्द्र और वितरण :—

आभ्यन्तर और बाह्य प्रयोगों के लिए अभिविन्यास और अभिकल्पन उपकरण के लिए विनिर्देश, भू-सम्पर्कन उप केन्द्र, तैयार खड़े जमक समुच्च, कमीशनिंग क्रियाविधि और परीक्षण।

वितरण :—ओवर हेड लाइन और भूगत वितरण प्रणालियों का अभिकल्पन, केवल चालकों, ग्राहकों आदि के लिए विनिर्देश, केवल जोड़ने और अलग करने के तरीके, विद्युत गुणांक वृद्धि, भवनों में सर्चिस् कनेक्शन।

6. लिफ्ट :—अभिकल्पन प्रारंभ, यातायात विश्लेषण, लिफ्ट संस्थापनाओं का वर्गीकरण, नियंत्रण और परिचालन का चयन, सुरक्षा, लिफ्ट संस्थापन के लिए विनिर्देश।

7. वातानुकूलन संचालन :—प्रशीतन, वातानुकूलन, वाष्प द्वारा ठंडा करने और संचालन प्रतापन और प्रशीतन भारपरिकलन के सामान्य सिद्धांत प्रणाली वर्गीकरण, उनके अभिकल्पन और प्रयोग, संरचनात्मक आपेक्षाएँ स्थापनाओं के लिए विनिर्देश।

8. निर्माण मशीनरी :—निर्माण मशीनरी के लिए विनिर्देश कंपिज, रोड रोवर ट्रकों, कंकीट मिश्रित घ्रावि का चयन, प्रयोग और अनुरक्षण करना संयंत्र और मशीनरी के लिए किराए प्रभारों, के परिणत के सिद्धांत।

9. हवाई अड्डा संस्थापना :—आई.सी.ए. ओ. विनियम :—अनुबंध-14 विमान क्षेत्र प्रकाशन तथा अन्य दृश्य सहायक संस्थापनाओं का वर्गीकरण उनका परिचालन और नियंत्रण, हवाई अड्डा पर विद्युत पूर्ति वितरण के सिद्धांत, संस्थापना के लिए विनिर्देश।

प्रश्न पत्र 3 :—सामान्य इंजीनियरी वैद्युत इंजीनियरी (वैद्युत और यांत्रिक) :—

भाग क :—विजली के उपकरण।

(1) एकल और बहुकसीय ए.सी. परिपथ, प्रतिरोध, प्रेरण और धारिता के प्रभाव शक्ति कारक और उसका प्रवर्तन।

(2) एकल और बहुकसीय परिणामित :—रचनामूलक लक्षण तुल्य परिपथ निष्पादन, समांतर संक्रिया, कलांतरण द्वानियों का पृथक्करण और विभिन्न पद्धतियों से क्षमता का निर्धारण स्वयं-परिमित-प्रेरित और चस कुंडली नियंत्रक-उपकरण परिणामित।

(3) प्रत्यावर्ति, रचनामूलक लक्षण, नियतन, समांतर संक्रिया और संरक्षण-स्वयंचालित बोल्टता नियंत्रक-आपातजनक समुच्चय स्वयंचालित परिवर्तन।

(4) प्रेरक मशीनें, बहुकसीय मोटर और उसकी संचालन का सिद्धांत और तुल्य परिपथ ऐंठन और फिसलन के लक्षण, रिगण प्रवर्तन, की पद्धतियाँ/मोटर प्रवर्तक एकल कसीय मोटर, उसका सिद्धांत, लक्षण और प्रयोग।

भाग ख : वैद्युत माप

विजली के उपकरण और मापन :—रचना के नियम तथा संवेदा और परिवर्तक धाराओं के मापक संवेदा के सिद्धांत—वाणिज्यिक प्रकार—प्रतिरोध, बोल्टता, धारा शक्ति, शक्तिकारक और ऊर्जा का मापन, आटमोटर आ मोटर, तापीय यन्त्र-प्रतिरोध तापमापी, उतापमापी, बिजली के क्षुद्र-सूचक सेतु प्रतिरोध प्रेरण और धारिता का मापन-ह्यूबेस्टोन-सेतु।
भाग 'ग' उत्पादन, संचरण और वितरण तथा उपयोगिता :

(1) उर्जा शक्ति, उत्पादन, सामान्य अभिव्यास, मूलभार, गुरुभार, वरण-समुच्चय।

(2) शक्ति पूर्ति टैरिक/अर्थहशास्त्र/शक्ति गुणांक शुद्धि।

(3) विद्युत रोधी, उनके प्रकार और प्रयोग।

(4) औद्योगिक परिचालन के बुनियादी लक्षण :—विभिन्न परिचालनों के लिए विद्युत मोटरों का चुनाव और उनके दूरीकरण का मूल्यंकन वर्तन, करण, स्थापन और प्रत्यावर्तन में मोटरों की गतिविधि लिफ्ट, फ्रेन और मशीन के उपकरणों के लिए गति नियंत्रण योजनाएँ।

(5) विभिन्न प्रकार की भिन्नात्मक अश्वशक्ति मशीनों का प्रवेय निष्पादन और प्रयोग।

(6) वैद्युत तापन की विभिन्न पद्धतियाँ :—उच्च आवृत्ति, प्रेरण और तापन उपस्कार की रचना और निष्पादन-वैद्युत बेल्डन :—इसमें प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के उपस्कार और उनके लक्षण का शक्ति और ऊर्जा की अपेक्षाओं का प्राक्कलन।

(7) विभिन्न पद्धतियों के द्वारा प्रकाश का सृजन :—विभिन्न पद्धतियों द्वारा प्रकाश का परिकलन और मापन। प्रदीपन का परिकलन और मापन-प्रकाशमापी-ध्रुवीय बक्र-दूर प्रदीपन।

भाग घ : आंतरिक बहन इंजिने :—

(1) ईंधन और बहन-प्रमुख ईंधन और उनके गुण धर्म-बहन परिकलन, बहन के उत्पादों का विश्लेषण।

(2) शक्ति वलय :—वाष्प शक्ति वलय-कॉमेट और रैकिस गैस शक्ति वलय-आटो और डोजल वलय सैद्धांतिक वलयों से वास्तविक वलयों का विश्लेषण।

(3) आंतरिक बहन इंजिने :—दो और चार आघात वाली संपीडन-उत्तलन और स्फूर्लिंग उत्तल इंजिने—बहन परघटना, दो आघात वाली इंजिनों का अभिस्फीटनई अपस्फीटन और अपमार्जन ईंधन अन्तःक्षेपण और कार्बुरेशन, स्नेहन और शीतन प्रणालियाँ आई.सी. इंजिनों का निष्पादन और परीक्षण।

भाग ड : वातानुकूलन और प्रशीतन :—

(1) प्रशीतन :—प्रशीतन और ताप प्रेषण वलय—वाष्प संपीडन अवशोषण, प्रशीतन और उनके लक्षण।

(2) वातानुकूलन :—साइक्रोसंपीडन मापी चार्ट—मुख्य वातानुकूलन मुख्य सूचकांक संवातन अपेक्षाएँ—शीतन और निराद्रीकरण कूलन, पद्धतियाँ, औद्योगिक वातानुकूलन प्रक्रिया।

भाग च :—कार्यशाला प्रयोगिकी :—

खरादना, पीसना, छेद बनाना, और देना, सजाना, रेखा खींचना धातु, निर्माण, प्रक्रियाएं, रेखण, वक्रण, रूपण—व्यन, वेलन ड्राप, उल्टन, और प्रतिवर्ण के मूलभूत लक्षण और उनके प्रयोग—घटुओं को ढालना और जोड़ना—प्ररूप कौट, सांचा, बालू ढालना संगलन वेल्डन, दोब वेल्डन—आई. आई. जी. और एम. आई. जी. वेल्डन, सिटरन जिग और अनुबन्ध—स्थिति निर्धारित तत्व—बांधने के साधन—ड्रिलजिग—रेखण अनुबन्ध।

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

RULES

New Delhi, the 23rd September, 1989

G.S.R. 718.—The rules for a limited departmental competitive examination for promotion from the Grade of Junior Engineer (Civil/Electrical) to the Grade of Assistant Engineer (Civil/Electrical) in the Central Public Works Department to be held by the Union Public Service Commission in 1989 are published for general information.

1. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation shall be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

The date on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. Regularly appointed officers of the Grade of Junior Engineer (Civil/Electrical) of the Central Public Works Department who on 1st July, 1989 satisfy the condition of having put in four years' service as Junior Engineers in the Department shall be eligible to appear at the examination.

NOTE.—Junior Engineers of the Central P.W.D. who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

This, however, does not apply to a Junior Engineer of the Central P.W.D., who has been appointed to an ex-cadre post or to another Service on transfer and does not have a Ten in the post of Junior Engineer of the Central P.W.D.

4. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

5. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing relevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or

(xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination; or

(xii) attempting to commit, or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition, to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) to disciplinary action under the appropriate rules :

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him, into consideration.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8. After the examination, candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for promotion up to the required number :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission, by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for promotion irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

NOTE.—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be promoted on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore have any claim for promotion on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

9. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

10. Success in the examination confers no right to promotion unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is eligible and suitable in all respects for promotion :

Provided that the decision as to ineligibility for promotion in the case of any candidate recommended for promotion by the Commission shall be taken in consultation with the Commission.

11. A candidate who, after applying for admission to the examination, or, after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another Service on "transfer" and does not have a lien in the grade of Junior

Engineer (Civil/Electrical) in the Central Public Works Department will not be eligible for appointment on the results of this examination

This, however, does not apply to a person who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority

[No. 5/8/87-ECI]

S. RANGANATHAN, Dy. Secy. (Works)

APPENDIX

The examination shall be conducted according to the following plan :—

PART-I.—Written examination which will be job oriented carrying a maximum of 600 marks in the subjects as shown in para 2 below.

PART-II.—Evaluation of record of service of such candidates as may be decided by the Commission carrying a maximum of 200 marks.

2. The subjects, in which the candidates competing for the grades of Assistant Engineer (Civil/Electrical) will be required to take the written examination, will be as follows :—

Sl. Grade of service No.	
(1) Assistant Engineer(Civil)	1. Engineering Design & Construction Practice(Civil) 2. General Engineering(Civil)
(2) Assistant Engineer (Electrical)	1. Engineering Design & Construction Practice(E&M Subject) 2. General Engineering(E&M)

N.B.—The papers will have both theoretical and practical content.

The question papers will be so designed as to assess the ability of the candidates to apply their technical knowledge to the solution of problems.

2. Each paper will carry a maximum of 300 marks and will be 3 hours duration.

3. All papers must be answered in English.

4. Syllabus for the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

6. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. The marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks in the written subjects will be made for illegible handwriting.

9. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

10. In the question papers, wherever necessary questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

11. Candidates should use only International form of Indian numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.

12. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

SCHEDULE

PAPER-I. ENGINEERING DESIGN AND CONSTRUCTION PRACTICE (CIVIL)

Part-A.—Strength of Materials and theory of structures :

- Stress-Strain relations—Hooke's Law.
- Determination of forces in members of trusses pin-jointed frames.
- Bending Moments and shear Forces. Theory of simple bending.
- continuous beams and simple portals—Determination of bending moments and shear forces—methods of analysis.

Part-B.—Design Principles :

Determination of dead, live and wind loads. Factor of Safety and load Factor.

Part-C.—Steel Design :

- Design of single Beams and plate Girders according to Indian standards.
- Design of single and built-up columns. Column base connections.
- Design of Steel Roof Trusses.

Part-D.—Reinforced Concrete :

- Basic principles of reinforced concrete, Shear, bond and diagonal tension, location of reinforcement.
- Design of singly and doubly reinforced beams, one way and two way slabs.
- Theory and design of reinforced concrete columns with uni-directional bending only.
- Design of cantilever and simple counterfort retaining walls.
- Liquid retaining structures—Special requirements.

PART-E.—Construction Practice :

- General details of Building construction including foundations, flooring masonry and different type of roofs. Safety during constructions.
- General details of Building construction including foundations, flooring masonry and different type of sand and aggregate, cement, lime, timber, and steel. Tests for fresh and hardened concrete.
- Central PWD Specifications for building works, sanitary and water supply works and road works including modes of measurements.

PAPER-II : GENERAL ENGINEERING (CIVIL)

PART-A.—Surveying :

- Use and adjustment of Surveying Instruments :—Chain, plane, table and accessories magnetic compass, level and theodolite.
- Compass and Theodolite-traverses : Errors and Precision in traversing. Traverse computations and adjustments.
- Plane Table Surveying : Plotting of details, three point problem and two point problem.
- Levelling : Methods of levelling and reduced level calculations.
- Contour Surveying : Methods of contouring, properties of contours.
- Curves and alignment : Setting out of simple, reverse and transition curves using different methods. Vertical Curves.

Part-B.—Highway Engineering :

- Road alignments in hills and plains. minimum standards for national highways.

- (ii) Principles of designs of urban roads their cross-sectional requirements and intersections, road drainage and maintenance. House paths, approach roads and service lanes.

Part-C.—Public Health Engineering :

- (i) Water-supply.—Quality and quantity of water required for public water supplies. Water purification processes. Water distribution systems—valves and fittings—watering.
- (ii) Sanitation.—Orientation, ventilation and damp proofing of building Sanitary appliances. Construction and testing of house drains.
- (iii) Sewage disposal—Sewerage system :—Construction and maintenance. Types of sewage treatment—Oxidation ponds—simple sedimentation, recirculation and high rate filtration—contact beds—percolating filters, Septic tank Imhoff tanks.

Part-D.—Soil Mechanics and Foundation Engineering :

- (i) Index properties of Soils, Classification. Soil explorations.
- (ii) Foundation Engineering :—Principles of Selection of type of foundation for a structure, shallow and deep foundations—Methods of determining bearing capacity.
- (iii) Compaction :—Laboratory and Field methods—optimum moisture content.

PAPER-I.—ENGINEERING, DESIGN & CONSTRUCTION PRACTICE

(ELECTRICAL & MECHANICAL)

1. General :—Knowledge of Indian Electricity Act, Indian Elect. Rules as amended upto date, General conditions of supply and charges to be paid to line for obtaining connection, CPWD, General Specifications for Electrical Works, Principles of analysis of rates, General Principles in preparation of estimates, project reports, award of works and execution of works and measurement I.S.I Standards and Codes of practices. Bombay and Delhi Lift Act and Rules.

2. Illumination :—Units and Standards : Principles of indoor and outdoor lighting design. Types, characteristics and application of lamp in fittings and luminaries, Lighting calculations for indoor and outdoor applications

3. Internal Electrical Installations :—Systems of wiring and their design distribution system. Apparatus for control and protection. Testing.

4. Miscellaneous E. M. Services :—

- (i) Lightning protection :—Design, Layout, Material and installations.
- (ii) Fire Alarm & protection :—Various fire Alarm and Fire Fighting System, Design and Specification of equipment.
- (iii) Water Supply :—Pumping systems & application. Specification for equipment and installation.
- (iv) Safety & Maintenance :—Safety procedures and practices, principles of equipment and installation, preventive maintenance and testing of installations.

5. Sub-Station upto 33 KV and Distribution :—Layout and Design for indoor and outdoor applications, specification for equipment, Sub-Station earthings, stand-by generating Sets, commissioning procedures and tests.

Distribution :—Design of overhead line & under-ground distribution systems. Specification for cable conductors Supports, etc. Cable joining and termination methods, power factor improvement, service connection to buildings.

6. Lifts :—Design parameters, traffic analysis, Classification of Lift installations, choice of control and operation, safeties, specifications for lift installation.

7. Air-Conditioning Ventilation :—General principles of Refrigeration Air-Conditioning, evaporative cooling, and ventilation. Heating and cooling load estimation, Classification of systems, their design and application, structural requirements, specifications for installations

8. Construction Machinery :—Specification for construction machinery such as Vibrators, Road Rollers, Trucks, Concrete Mixers, etc. Selection application and maintenance principles of calculation of hire charges for plant and machinery.

9. Airport Installation :—ICAO regulations—Annexure XIV Classification of Airfield lighting and other visual aid installations, their operation and control, principles of power supply distribution at Airports, Specification for installation.

PART-II : GENERAL ENGINEERING (ELECTRICAL AND MECHANICAL)

PART-A—ELECTRICAL APPARATUS :

- (i) Single and polyphase A. C. Circuits, Effects of resistance inductance and capacitance. Power factor XIV Classification of Airfield lighting and other visual aid and its improvement.
- (ii) Single and polyphase transformers—Constructional features equivalent circuit performance, parallel operation, phase conversion. Separation of losses and determination of efficiency by various methods. Autotransformers. Induction and moving coil regulators Instrument transformers.
- (iii) Alternators Constructional features, regulation, parallel operation and protection. Automatic Voltage regulators, Emergency generating sets—automatic change over.
- (iv) Induction machines, polyphase motor and its principle of operation and equivalent circuit Torque slip characteristics Crawling, Methods of starting. Single phase motor, its theory, characteristics and applications.

PART B—ELECTRICAL MEASUREMENTS.

Electrical instruments and Measurements.—principles of construction and theory of measuring instruments for direct and alternating currents Commercial types. Measurement of resistance, Voltage, current power, power, factor and energy, Watt metres, energy meters, Thermo couples, Resistance Thermometer, Pyrometers, Fault locating bridges for cables. Measurements of resistance, inductance and capacitance—wheatstone bridge.

PART-C.—Generation Transmission and Distribution & Utilitation :

- (i) Diesel power Generation-General layout, Base load, peak load, choice of sets.
- (ii) Power supply tariffs, economics, Power factor correction.
- (iii) Insulators, types and application.
- (iv) Basic features of industrial drives, Choice of electric motors for various drivers and estimation of their ratings. Behaviour of motors during starting, acceleration, breaking and reversing operations, Speed control schemes for lifts cranes and machine tools.
- (v) Theory, performance and application of various types of fractional horse power motors
- (vi) Different methods of electric heating Construction and performance of high frequency induction and Electric heating equipment. Estimation of power and energy requirements of electric welding different types of equipments used and their characteristics.
- (vii) Production of light by different methods, Calculation and measurement of light by different methods

Calculation and measurement of illumination.
Photometers, Polar Curves, Flood lighting.

PART-D —Internal Combustion Engines :

- (i) Fuels and Combustion. Import fuels and their properties, combustion calculations, Analysis of products of combustion.
- (ii) Power cycles, Vapour power cycles-Carnot and Rankine, Gas Power cycles-Otto and Diesel cycles, Deviation of actual cycles from theoretical cycles.
- (viii) Internal combustion engines—Two and four stroke compression ignition and spark ignition engines. Combustion phenomena. Detonation Knocking scavenging of two stroke engines. Fuel injection and carburation. Lubrication and cooling system performance and testing of IC engines.

PART-E :—Air Conditioning and Refrigeration :

- (i) Refrigeration—Refrigeration and heat pumps cycles, Vapour compression absorption. Refrigeration and their characteristics.
- (ii) Air-conditioning—Psychrometric chart comfort air conditioning, comfort indices, ventilation requirements. Cooling and dehumidification methods. Industrial air-conditioning processes.

PART-F :—Workshop Technology :

Basic features and application of conventional Machine Tools for turning, grinding, boring, shaping, planing, Milling, Metal forming, Shearing Drawing bending, spinning, rolling drop upset and press forging. Metal casting and jointing, Patterns, Cores, Moulds, sand casting, Fusion Welding, Pressure welding, TIG and MIG welding, sintering jigs and fixtures-locating elements, Clamping devices, Drill Jigs Millings Fixtures.